असिस्टेड वाटर स्पलिटिंग के लिए 79.44 लाख रुपये की कुल लागत का एक यूनिट स्वीकृत किया गया है। 30 जून, 1992 की स्थिति के अनुसार विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग ने इस कार्यक्रम के लिए 73.00 लाख रुपये दिए हैं। कुछेक उपलब्धियां प्राप्त हुई हैं। एक उच्च स्तरीय तकनीकी मानीटरिंग समिति के जरिये इस कार्यक्रम की प्रगति की निरंतर मानीटरिंग की जाती है।

(ङ) विभिन्न संस्थाओं में उच्च प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में अनुसंधान के तीव्रीकरण के अधीन सहायता प्राप्त सभी कार्यक्रमों का ऐसी तकनीकी मानीटरिंग समितियों के जरिये मानीटरिंग की जाती है।

उत्तर प्रदेश में खाद्य तेलों की आवश्यकता

*358. **चौधरी हरमोहन सिंह:** क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) उत्तर प्रदेश में खाद्य तेलों की कुल कितनी आवश्यकता है;

(ख) गत तीन वर्षों के दौरान उत्तर प्रदेश को वास्तव में कितना कोटा दिया गया;

(ग) क्या सरकार, त्यौहारों के अवसर पर उत्तर प्रदेश के खाद्य तेलों के कोटे में वृद्धि करने का विचार रखती है; और

(घ) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है?

नागरिक आपूर्ति, और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री कमालुद्दीन अहमद): (क) उत्तर प्रदेश सरकार ने खाद्य तेलों की अपनी कोई आवश्यकता सूचित नहीं की है।

(ख) गत तीन वर्षों में उत्तर प्रदेश को खाद्य तेलों का आवंटन तथा उसकी उठाई गई मात्रा इस प्रकार है:

तेल वर्ष	आवंटन	उठाई गई मात्रा
1989-90	16050 मी० टन	4913 मी० टन
1990-91	7500 मी० टन	4587 मी० टन
1991-92	6000 मी० टन	578 मी० टन

(ग) और (घ) उत्तर प्रदेश का आवंटन बढ़ाने का सरकार का विचार नहीं है, क्योंकि राज्य सरकार ने अपनी मांग नहीं जताई है और उनके द्वारा पहले आवंटित किए गए तेलों की बहुत कम मात्रा उठाई गई है।

भारतीय राजनयिक मिशनों रहित देश

*359. **श्री राम नरेश यादव:** क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) कितने देशों में भारतीय राजनयिक मिशन स्थापित नहीं किए गए हैं; और

(ख) उक्त देशों में निकट भविष्य में कब तक भारतीय मिशन स्थापित किए जाने की संभावना है?

विदेश मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एडुआर्डो फेलेरियो): (क) और (ख) संयुक्त राष्ट्र के 71 सदस्य देशों में अभी तक भारत के राजदूतावास नहीं है। एक विवरण सदन की मेज पर रख दिया गया है। **(नीचे देखिए)**

इन देशों में से 62 देशों के मामले में भारत के राष्ट्रीय हितों की देखभाल सहप्रत्यायन के जरिए आसपास के देशों में हमारे राजदूतावास संतोषजनक रूप से कर रहे हैं और केवल वूनी, दारूसलाम तथा तादजिकिस्तान के मामले में ही आवास भारतीय मिशन खोलने की जरूरत महसूस हुई है। शेष 9 देशों के साथ भारत के औपचारिक राजनयिक संबंध नहीं है।

विवरण

भाग—क— **सह प्रत्यायन के अन्तर्गत आने वाले देश**

क्रम० सं०	देश का नाम	मिशन का नाम जहां से सह-प्रत्यापित किया गया है
1.	अल्बानिया	रोमानिया
2.	एन्टीगुआ और बारबूडा	त्रिनिडाड एण्ड टोबागो
3.	अजरबैजान	उजबेकिस्तान
4.	अर्मेनिया	उक्रेन
5.	बहामास	संयुक्त राज्य अमरीका
6.	बारबाडोस	सूरीनाम
7.	बेलीज	मेक्सिको
8.	बोलीविया	पेरू
9.	ब्रूनी दारूसलाम	मलयेशिया
10.	बुर्किना फासो	घाना
11.	बूरुन्डी	उगाण्डा
12.	कैमरून	नाईजीरिया
13.	केप वर्डे	सेनेगल
14.	मध्य अफ्रीकी गणराज्य	जाइरे
15.	चाड	नाइजीरिया
16.	कोमोरोस	मैडागास्कर